एक नजर में

अजमेरी मंसूरी समाज का विवाह सम्मेलन आज

पडाना 04 अप्रैल, सं. अजमेरी मंसूरी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आज मऊ पडाना रोड पर आज होगा. जिसमें 50 से अधिक नव दंपति विवाह बंधन में बंधेंगे. विवाह सम्मेलन कमेटी के खजांची शरीफ मंसूरी ने बताया कि मंसूरी समाज द्वारा वर्ष 1992 से लगातार अपने समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन करते आ रहे है. यह 34 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन होने जा रहा है. सम्मेलन में मौलाना इमरान फलाही, मौलाना मुस्तकीम साहब के द्वारा निकाह पढ़ाया जाएगा. मऊ सरपंच रईस मंसूरी ने कहा कि सम्मेलन से निश्चित ही फिजूल खर्ची पर रोक लगी है. सभी समाज जनों के एक साथ निकाह हो रहे फिजूल खर्ची रोककर यह पैसे अपने बच्चों की पढ़ाई में खर्च कर रहे हैं. सम्मेलन कमेटी के सदर मुबारीक भाई एवं फिरोज भाई ने कहा है कि इस प्रकार के समाज के द्वारा कार्यक्रम आयोजित होना चाहिए मंसूरी समाज राजगढ़ शाजापुर आगर झालावाड़ में मंसूरी बाहुल्य है. जिले में दो सम्मेलन निश्चित हर साल प्रतिवर्ष होना चाहिए जिससे समाज फिजूल खर्च से बचे.

मेडतवाल वैश्य समाज के विवाह सम्मेलन 19 को

छापीहेड़ा 04 अप्रैल, सं. नगर में मेडतवाल वैश्य समाज का द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 19 अप्रैल को होने जा रहा है. सम्मेलन की तैयारी में समाज के सभी लोगों लगे हुए हैं. ग्राम मोहन में समाज जनों की बैठक हुई सम्मेलन में विवाह वाले प्रत्येक जोड़े से 21-21 हजार कुल 42 हजार की राशि वर वधु से ली जा रही है. अभी तक आठ जोड़ों की स्वीकृति मिल चुकी है अभी और जोड़े होने की संभावना है. समाज का मानना है कि सम्मेलन में विवाह करने से वर वधु के परिवार वालों के लाखों रुपए की बचत होगी. सम्मेलन 19 अप्रैल को सुबह 8 बजे से होगा फेरे दोपहर 4 बजे होंगे. दिन में विवाह होने से बिजली आदि कई अनावश्यक खर्चों की बचत होगी.

ब्यावरा में संतों का आगमन 6 को होगा

नवभारत न्यूज, ब्यावरा 04 अप्रैल, का. नगर में आध्यात्मिक वातावरण को नई ऊर्जा देने वाला एक विशेष धार्मिक आयोजन होने जा रहा है. श्री राम जन्मभूमि के ट्रस्टी एवं युगपुरुष महामण्डलेश्वर स्वामी पूज्य अनंत श्री परमानंद गिरि जी महाराज तथा महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी 1008 श्री ज्योतिर्मयानंद जी महाराज का पावन आगमन 5 अप्रैल को ब्यावरा में होगा. संतों के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है.जानकारी के अनुसार, 5 अप्रैल 2026 को शाम 6 बजे संतों का ब्यावरा आगमन होगा, जहां गुना बाईपास पर भक्तगण भव्य स्वागत एवं अगवानी करेंगे. इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे. आयोजन समिति द्वारा स्वागत की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं.इसके पश्चात 6 अप्रैल 2026 को प्रात: 8 बजे अखंड परमधाम आश्रम, भोपाल बायपास पर अमृतमयी सत्संग का आयोजन किया जाएगा. सत्संग में संतों द्वारा धर्म, अध्यात्म और जीवन मूल्यों पर प्रवचन दिए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त होगा.आयोजकों का कहना है कि ऐसे संतों का सान्निध्य जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है तथा मानसिक शांति और आत्मिक ऊर्जा प्रदान करता है.

जिस गांव से शिकायत हुई, वहीं जांच शुरू नहीं

रामगढ़ के एक हितग्राही का नाम भी फर्जी ओटीपी की शिकायत में शामिल, लेकिन स्वास्थ्य और पुलिस विभाग नहीं पहुंचा पड़ताल करने

फॉलोअप

हितग्राही ने कहा मुझे नहीं इसकी जानकारी, किसी तरह का आवेदन नहीं किया फर्जी ओटीपी से जारी जन्म प्रमाण पत्र साईबर गिरोह की साजिश या लापरवाही?

नवभारत न्यूज

जीरापुर 04 अप्रैल, सं. रामगढ़ के प्राथमिक अस्पताल की प्रभारी ने बीते 23 मार्च को अपने विभाग को सूचना दी थी. जिसमें 16 मार्च को लगातार 8 ओटीपी जन्मप्रमाण पत्र के लिए अस्पताल के मेल आईडी पर पहुंचे थे. इस कथित फर्जी ओटीपी जैसे संवेदनशील सायबर मामले में जांच की स्थिति हैरान कर देने वाली है.

जिन 8 लोगों के नाम सूची में शामिल कर विभाग और पुलिस को दिए है उनमें एक नाम रामगढ़ गांव के ही युवक का है.

स्वास्थ्य विभाग और पुलिस ने जिस गांव अस्पताल में यह हैरतअंगेज मामला सामने आया है उसी गांव से अब तक जांच की शुरूआत नहीं की है. रामगढ़ के एक हितग्राही का नाम जन्मप्रमाण पत्र बनवाने के लिए आए ओटीपी में शामिल है लेकिन उस युवक और उसके परिजनों के पास कोई सूचना ही नहीं है. जिले के प्राथमिक अस्पताल में फर्जी ओटीपी के जरिए 8 जन्म प्रमाण पत्र जारी होने का मामला अब गंभीर साईबर अपराध की ओर इशारा कर रहा है. चौंकाने वाली बात यह है कि इन प्रमाण पत्रों में दर्ज लाभार्थी तेलंगाना और राजस्थान जैसे राज्यों के बताए जा रहे हैं, जबकि ओटीपी सत्यापन की प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर पूरी की गई. यह मामला न सिर्फ प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है, बल्कि एक बड़े संगठित फर्जीवाड़े की आशंका भी पैदा करता है.

रामगढ़ के युवक ने नहीं किया जन्मप्रमाण का आवेदन

नवभारत ने जब इस मामले में संबंधित से जानकारी मांगी तो उन्हें इस प्रकार के किसी भी हलचल की सूचना नहीं है. युवक के पिता के अनुसार उन्होंने किसी भी जन्मप्रमाण पत्र के लिए कोई आवेदन हीं किया है. अब यदि उन्होंने आवेदन नहीं किया है तो उनके नाम का ओटीपी अस्पताल की आईडी पर कैसे आया और किसने भेजा. साथ ही ओटीपी का वेरिफिकेशन किस प्रकार हुआ. इन तथ्यों की जांच रामगढ़ से ही शुरू होनी थी लेकिन अब तक नहीं हुई है.

सरकारी योजनाओं में जन्म प्रमाण पत्र का महत्व

जन्म प्रमाण पत्र एक आधारभूत दस्तावेज है, जो व्यक्ति की पहचान और आयु का आधिकारिक प्रमाण होता है इसका उपयोग कई सरकारी योजनाओं और सेवाओं में किया जाता है, जैसे आधार कार्ड और पैन कार्ड बनवाने में, स्कूल प्रवेश और छात्रवृत्ति योजनाओं में, स्वास्थ्य योजनाएं (जैसे आयुष्मान कार्ड), वोटर आईडी और पासपोर्ट बनवाने में, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में होता है. ऐसे में यदि जन्म प्रमाण पत्र ही फर्जी हो, तो इसके जरिए पूरी पहचान प्रणाली को प्रभावित किया जा सकता है.

फर्जी जन्म प्रमाण पत्र से किस तरह का हो सकता है फर्जीवाड़ा?

इस तरह के फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कई गंभीर अपराधों में किया जा सकता है. फर्जी पहचान बनाकर बैंक खाते खोलना और वित्तीय धोखाधड़ी, सरकारी योजनाओं में गलत तरीके से लाभ लेना, मानव तस्करी या बाल तस्करी जैसे मामलों में पहचान छुपाना, अपराधियों द्वारा नई पहचान बनाकर कानूनी कार्रवाई से बचना, फर्जी शैक्षणिक और नागरिक दस्तावेज तैयार करना शामिल है. यह एक संगठित गिरोह की ओर संकेत करता है, जो डिजिटल सिस्टम की कमजोरियों का फायदा उठा रहा है.

अन्य राज्यों के नाम पर स्थानीय ओटीपी सिस्टम में सेंध

मामले में सबसे गंभीर पहलू यह है कि तेलंगाना जैसे दूरस्थ राज्यों के लोगों के नाम पर मध्यप्रदेश के इस जिले में ओटीपी प्राप्त कर जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए. इससे यह संभावना जताई जा रही है कि साईबर अपराधियों ने मोबाइल नंबर या डेटा का दुरुपयोग किया. ओटीपी सिस्टम में तकनीकी खामी या हैकिंग हुई. अंदरूनी मिली भगत से प्रक्रिया को दरकिनार किया गया. यह सीधे तौर पर डिजिटल सत्यापन प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है.

मिट्टी परीक्षण शाला में गंदगी पर भड़के कलेक्टर

राजगढ़ 04 अप्रैल, का. कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा शनिवार को खिलचीपुर विकासखंड अंतर्गत संचालित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का औचक निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रयोगशाला में संचालित मिट्टी परीक्षण की प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से परीक्षण की विधि एवं उसकी उपयोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की. कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने प्रयोगशाला में साफ-सफाई की स्थिति असंतोषजनक पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने निर्देश दिए कि प्रयोगशाला परिसर में स्वच्छता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, जिससे कार्य की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सके. निरीक्षण के दौरान मृदा परीक्षण की गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने गंभीरता जताते हुए संबंधित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए.

उन्होंने कहा कि किसानों को सटीक एवं विश्वसनीय मृदा परीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मृदा परीक्षण कार्य को पूर्ण पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ संचालित किया जाए.

6 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

16 पर सख्त कार्यवाही, 10 पर जुर्माना

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 04 अप्रैल, का. शासन के निर्देशानुसार उर्वरक वितरण को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाने हेतु ई-टोकन प्रणाली को अनिवार्य किया गया है. निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 01 अप्रैल, 2026 से ई-टोकन के बिना उर्वरक विक्रय पूर्णत: प्रतिबंधित है. इसके बावजूद जिले में कुछ विक्रेताओं द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए पारंपरिक तरीके से उर्वरक विक्रय किया जा रहा था. प्रशासन द्वारा जांच में 16 उर्वरक विक्रेताओं पर कार्यवाही की है. इनमें 6 के लायसेंस सस्पेंड कर दिए गए है.

जानकारी के अनुसार बीते 02 अप्रैल को आईएफएमएस पोर्टल से प्राप्त जानकारी के आधार पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए कुल 16 उर्वरक विक्रेताओं पर दंडात्मक कार्रवाई की गई. जिनमें इन विक्रेताओं के लाइसेंस किए गए निलंबित विशाल ट्रेडर्स जीरापुर, श्रीकृष्णा कृषि सेवा केन्द्र खुजनेर, महादेव इंटरप्राइजेज बोड़ा, गोपाल ट्रेडर्स ब्यावरा, सांवरिया ट्रेडर्स ब्यावरा तथा लोधी कृषि सेवा केन्द्र, सुठालिया शामिलहै.

इन पर 5 हजार रुपये का जुर्माना

जांच के बाद श्री दांगी कृषि सेवा केन्द्र खिलचीपुर, श्री राम इंटरप्राइजेज खिलचीपुर, हर्षिता इंटरप्राइजेज माचलपुर, राधेकृष्ण ट्रेडर्स खुजनेर, नागर ट्रेडर्स खुजनेर, श्री फलोदी इंटरप्राइजेज पचोर, इफको ई-बाजार सारंगपुर, कृष्णा ट्रेडर्स ब्यावरा, श्री बालाजी ट्रेडर्स ब्यावरा और मंडलोई कृषि सेवा केन्द्र सुठालिया पर 5-5 हजार का जुर्माना रोपित किया गया है. उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने स्पष्ट किया कि जिले में उर्वरक वितरण एवं विक्रय पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा भविष्य में भी किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. जिला प्रशासन ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही उर्वरक वितरण सुनिश्चित करें. अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी.

भूसे के ओवरलोड, ओवरहाईट वाहनों के चालान काटे

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 04 अप्रैल, का. भूसे से भरे ओवरलोड एवं ओवरहाइट वाहनों से संभावित हादसों की रोकथाम के लिए शुक्रवार को यातायात थाना प्रभारी देवनारायण पाण्डेय एवं उनकी टीम द्वारा ब्यावरा शहर एवं प्रमुख मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया. भूसे से भरे 03 ओवरलोड एवं ओवरहाइट वाहनों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत चालानी कार्यवाही की गई.

प्रवेशोत्सव में भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

सुठालिया 04 अप्रैल, सं. शनिवार को प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पीएम श्री शासकीय बालक उमावि में भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसमें रणधीर सिंह मीणा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ब्यावरा एवं सुठालिया मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए. संस्था के प्राचार्य हेमंत यादव ने अतिथियों का स्वागत किया.

इसके पश्चात् समस्त स्टाफ ने छात्रों को सम्बोधित कर मार्गदर्शित किया, मुख्य अतिथि ने छात्रों के साथ भविष्य से भेंट के अंतर्गत अपने अनुभव साझा कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार वर्मा ने किया. संस्था में उपस्थित सभी बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा उपयोगी सामग्री वितरित की गई. अंत में संस्था प्राचार्य द्वारा आभार व्यक्त किया गया. छात्रों को भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया. कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा.

जिसका कोई नहीं उसकी बाल कल्याण समिति..!

नवभारत न्यूज

राजगढ़/खिलचीपुर 04 अप्रैल, सं. पिछले लगभग 60 दिनों से बाल कल्याण समिति के संरक्षण में जिला अस्पताल के वार्ड में स्वास्थ्य लाभ ले रहे खिलचीपुर के सुनसान इलाके की झाड़ियों से लावारिस हालत में मिले नवजात बेबी को आज पूर्ण स्वस्थ होने पर डॉ आरएस माथुर ने बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष साकेत शर्मा को सौंपा. उसी समय हाल मौके पर ही साकेत शर्मा ने बेबी को उचित देखभाल और बेबी की बेहतर स्वास्थ्य और सर्वोत्तम हित के लिए आवश्यक अन्य जरूरी देखभाल के निर्देश के साथ राजगढ़ के शिशुगृह गोपाल महिला मंडल के प्रतिनिधियों

को संस्थागत आश्रय के लिए सुपुर्दगी दी. इस अवसर पर जिला अस्पताल के संपूर्ण पदाधिकारी सहित एसएनसीयू प्रभारी डॉ माथुर सहित सभी नर्सेस सहित वार्ड के स्टाफ का आभार व्यक्त किया.

बालक की आगामी विधि अनुसार कार्यवाही करते हुए मातापिता की सर्चिंग की जाएगी. तय समय में नहीं मिलने पर जेजे एक्ट के अनुसार विधि मुक्त और दत्तकग्रहण की प्रक्रिया संबंधी कार्यवाही जाएगी. साकेत शर्मा ने कहा कि जिस बालक का कोई उस बालक की बाल कल्याण समिति को ध्यान में रखकर मेरे अलावा सदस्यगणों में सर्व रिंकू सुनेरी, सुरेश चंद्रवंशी, निलेश मालवीय, सलमा अंसारी सहित पूरी बाल कल्याण समिति स्टाफ हमेशा बच्चों के सर्वोत्तम हित में कार्य करने के लिए कृत संकल्पित है.

गौशाला का निरीक्षण किया

राजगढ़ 04 अप्रैल, का. कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा शनिवार को खिलचीपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत ढाबली कला स्थित गौशाला का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला परिसर में संचालित प्राकृतिक खेती से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन किया. कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने यहां संचालित बी.आर.सी. के अंतर्गत जैविक खाद एवं जैविक दवाई निर्माण इकाई का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली की जानकारी ली.

संस्कार कॉन्वेंट स्कूल में नशा मुक्ति अभियान

नवभारत न्यूज

तलेन 04 अप्रैल, सं. नगर के संस्कार कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में भोपाल से आई नशा मुक्ति अभियान की टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था. कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के संचालक देव सिंह यादव एवं प्राचार्य पवन यादव तथा समस्त शिक्षकों द्वारा टीम का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया. इसके पश्चात टीम के सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी. छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया. कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के संचालक देव सिंह यादव एवं सचिव उमेश रानी यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा ऐसे कार्यक्रमों को समाज के लिए आवश्यक बताया.

आस्था भैंसवामाता दरबार में बिना मुहूर्त के तय होती है विवाह की तिथि, परिवार द्वारा तय तिथि के आधार पर पाती के लग्न लिखते हैं पंडा

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 04 अप्रैल,का. क्षेत्र के लोगो में मां भैसवामाता, मां जालपा और मां बगुलामुखी नलखेड़ा के प्रति अटूट आस्था, विश्वास है. श्रद्धालुओं में मां के प्रति भरोसा ऐसा है कि वे उनका नाम लेकर सारे काम करते है. यहां तक कि शादी, विवाह का कोई मुहूर्त भी नहीं देखा जाता है. परिवार वाले जो तिथि तय कर लेते है उस तिथि को मां के भरोसे सभी मांगलिक कार्य संपन्न करते है.

उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में तीन प्रमुख शक्ति स्थल के रूप में इन देवी मंदिरों का बहुत महत्व है. यहां के प्रति श्रद्धा दशकों से बनी हुई है. इसमें लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है. राजगढ़ जिले का सौभाग्य है कि लगभग 50 किमी के दायरे में मां जालपा, मां भैसवामाता और मां बगुलामुखी नलखेड़ा विराजी है. तीनों स्थानों के प्रति आसपास के लोगो में ही नहीं दूर दराज के क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी तादात में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सभी को अचंभित करती है.

ग्रामीण क्षेत्रा में सबसे अधिक प्रभाव और आस्था, भरोसा अगर है तो वह मां भैसवामाताजी के प्रति देखने को मिलती है. मां भैसवामाताजी सारंगपुर क्षेत्र के प्रमुख देव स्थानों में शामिल है. सारंगपुर , पचोर से लगभग 25 किमी में स्थित मां के प्रति हर किसी कीआस्था इतनी प्रभावी है कि बिना मां का नाम लिये कोई भी मांगलिक कार्य पूर्ण नहीं होता है.

सबसे बड़ी बात तो यह है कि ग्रामीण लोग शादी, विवाह जैसे प्रमुख अवसर पर भी मुहूर्त को लेकर कोई विचार नहीं करते है. सैकड़ो, हजारों लोग प्रति माह बिना किसी मुहूर्त में भी आपस में तिथि तय कर लेते है. उनका मां भैसवामाता के प्रति भरोसा इतना जबरदस्त है कि वे अपने परिवार द्वारा निर्धारित तिथि पर विवाह तय कर मां भैसवा जिसे माता बिजासन भी कहा जाता है के नाम की एक लग्न पाती माताजी के पंडा से बनवा लेते है. इस पाती को ही माताजी की सहमति मानकर सारे मांगलिक कार्य सम्पन्न कर लेते है.

भरोसा : बिना मुहूर्त, मां बीजासन के भरोसे होते हैं विवाह

प्रतिदिन सैकड़ों लोग लिखवाते है पाती के लग्न

भैसवामाता सहित सभी तीनों देवीय स्थलों पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण पाती के लग्न लिखवाने आते है. पंचाग, कैलेण्डर में जो तिथियां विवाह के लिये शुभ मानी गई है उनके अलावा भी विवाह की तिथि का सामंजस्य दोनो परिवारों में बन जाता है. ऐसी स्थिति में दोनो परिवार मंदिर धाम पर पहुंचरकर मां के भरोसे पाती के लग्न लिखवाकर मांगलिक कार्य कर लेते है. इस संबंध में मां बिजासन के भक्त और सेवाभावी श्री कन्हैया लाल नागर बताते है कि यह परंपरा दशकों से बनी हुई है. सैकड़ों गांवों के ग्रामीणों इसे पीढ़ी दर पीढ़ी निभाते आ रहे है. श्रद्धालुओं का मां के प्रति यह अटूट भरोसा और विश्वास उन्हें अपने कर्मपथ पर चलने की ऐसी प्रेरणा देता है कि वे जीवन पर्यंत इसे मां की कृपा मानकर अपने सारे काम कर लेते है.

लिखा ली लग्न की पाती- शनिवार को भी मां भैसवामाता के दरबार में अनेकों उदाहरण देखने को मिले. यहां दो पक्षों के रिश्तेदारों ने अपनी सुविधानुसार विवाह की तिथि तय की और मां के भरोसे लग्न की पाती लिखा ली.

सारंगपुर तहसील के ग्राम गोलखेड़ा के अरूण वर्मा नामक 23 वर्षीय युवक की कॉलेज में परीक्षा के कारण उसकी सुविधानुसार विवाह की तिथि नहीं निकल पा रही थी. दोनो परिवार आज शनिवार को मंदिर पर पहुंचे और दोनो ने तिथि तय कर ली. अपनी तिथि को उन्होंने मंदिर के पंडाजी जीतमल नागर को बताई और उन्होंने माताजी के भरोसे लग्न की पाती लिखकर दे दी. इसे सामान्य बोलचाल की भाषा में पाती के लग्न कहा जाता है. इस लग्न पर किसी मुहूर्त को नहीं देखा जाता है. इसे मां का आदेश मानकर मांगलिक कार्य संपन्न कर लिया जाता है.

इस संबंध में वर पक्ष के रिश्तेदार नारायण सिंह वर्मा निवासी ग्राम नैनवाड़ा ने बताया कि मुहूर्त के अनुसार जिस समय तिथि निकल रही थी उस समय लड़के की परीक्षा थी. लड़के के दादाजी की ईच्छा अविलंब विवाह की थी इस कारण परीक्षा की तिथियों के अनुसार माता जी से पाती के लग्न लिखवाकर विवाह करना तय किया है. आज दोनो पक्ष के रिश्तेदार बड़ी संख्या में मंदिर धाम पर आ गये थे.

मंदिर निर्माण का वैभव देख आकर्षित हो रहे श्रद्धालु

भैसवामाता का मंदिर अद्भुत स्वरूप में बन रहा है. मंदिर का वैभव देखकर सभी अचंभित हो रहे है. इसे देखने दूर दराज से श्रद्धालु हर समय यहां प्रतिदिन आते रहते है. इसके साथ ही मंदिर के आसपास कई प्रकार के विकास कार्य हो रहे है. श्रद्धालुओं के लिये कई तरह की सुविधाएं भी विकसित की जा रही है. पेड़ पौधो के कारण यहां हरियाली भी नजर आता है. सुनियोजित विकास के कारण आने वाले दिनों में यह स्थान श्रद्धालुओं के लिये श्रद्धा के साथ एक आध्यात्म और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होता नजर आ रहा है.